"सारे कल्प में ऐसा भाग्य प्राप्त नहीं हो सकता जो भगवान बच्चों के गीत गाये। भक्त, भगवान के गीत बहुत गाते हैं। आप सबने भी बहुत गीत गाये हैं। लेकिन ऐसे कब सोचा कि कब भगवान भी हमारे गीत गायेंगे! जो सोचा नहीं था वह साकार रूप में देख रहे हो।" **- अव्यक्त मुरली 15.10.2017 (रिवाइज 15.02.1983)**

क्या-क्या जो सोचा नहीं था, वह साकार रूप में देख रहे है

1. भगवान हमारे गीत गायेंगे।
2. बेहद के सन्यासी बनेंगे।
3. भगवान के साथ पार्ट बजायेंगे।
4. भगवान हमारे समान साकार रूपधारी बन सर्व संबंधों का अनुभव करायेंगे।
5. जीते-जी मरजीवा बनेंगे।
6. इन आँखों से भगवान को साकार में देखेंगे।
7. दु:ख के संसार से सुख के संसार में आ जायेंगे।
8. क्रिश्चियनपुरी से कृष्णपुरी में आ जायेंगे।
9. ज्ञान रत्नों से ही खेलेंगे।
10. अविनाशी ड्रामा के हीरो पार्टधारी एक्टर बनेंगे।
11. प्रभु परिवार के कुलदीपक बनेंगे।
12. विश्व के लिये लाइट-हाउस और माइट-हाउस बनेंगे।
13. गॉडली स्टूडेंट बनेंगे।
14. अविनाशी खजानों के मालिक बनेंगे।
15. बेताज बादशाह और बिन कौड़ी विश्व के मालिक बनेंगे।
16. बेगर-टू-प्रिन्स बनेंगे।
17. त्रिनेत्री और त्रिकालदर्शी बनेंगे।
18. भगवान के गोद के बच्चे बनेंगे।
19. भगवान के नयनों के नूर, सिर के ताज, मस्तक के मणि, गले की माला बनेंगे।
20. सर्व वरदान वर्से के रूप में प्राप्त होंगे।
21. भगवान हमारे गुणों की और विशेषताओं की माला फेरेंगे।
22. भगवान के साथ मोहब्बत हो जायेंगी।
23. सफलता जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में प्राप्त होंगी।
24. 5000 साल की जन्मपत्री जानने वाले रूहानी ज्योतिषी बन जायेंगे।
25. धर्म और राज्य की स्थापना अर्थ, भगवान के साथ साथ हमारा भी अवतरण होगा।
26. रूहानी तारामंडल के चैतन्य सितारे बनेंगे।
27. जिनकी पूजा करते थे उनके जैसा बनने का पुरुषार्थ करेंगे।
28. मनुष्य से देवता बनने की पढ़ाई पढ़ेंगे।

29. देवताओ से भी ऊंच बनेंगे।
30. बड़े से बड़े बिजनेसमैन बनेंगे।
31. ज्ञान के समंदर से ज्ञान-गंगा बनकर बहेंगे।
32. मास्टर भगवान बन जायेंगे।
33. भगवान के कर्तव्य में मददगार बनेंगे।
34. प्रकृति को पावन बनायेंगे।
35. भगवान के साथ साथ दिव्य और अलौकिक जन्म लेंगे।
36. सच्चे साहेब को राजी करने वाले साहेबजादे और साहेबजादियाँ बनेंगे।
37. हाईएस्ट, होलीएस्ट, रिचेस्ट, लकीएस्ट और लवलीएस्ट बनेंगे।
38. हर दिन उत्सव मनायेंगे।
39. विकर्म सन्यासी बनेंगे।
40. भगवान के दिल पर राज्य करेंगे।
41. भगवान के साथ मुक्ति-जीवनमुक्ति के गेट खोलेंगे।
42. ईश्वरीय मर्यादाओं का ईलाही सुख पायेंगे।
43. मुक्त गगन में निर्बंधन उड़ता पंछी बन सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव करेंगे।
44. भगवान हमारे गाइड, सखा और सारथी बन हमारा मार्गदर्शन करेंगे।
45. कल्पवृक्ष की जड़ों में बैठ तपस्या करेंगे।
46. भगवान से जब चाहे तब मिलन मनायेंगे, प्रभु मिलन इतना सस्ता हो जायेगा।
47. मृत्यु के भय पर विजय प्राप्त कर मरने का पुरुषार्थ करेंगे।
48. मुरली के रस से रोज अतीन्द्रिय सुख का पान करेंगे।
49. भगवान के भण्डारे से हमारी पालना होंगी।
50. सदा निर्बंधन परमात्मा को भी अपने स्नेह और अधिकार की रस्सी से बांध लेंगे।
51. भगवान हमें राजयोग सिखाकर राजाओं का राजा बनायेंगे।
52. रूहानी यात्री बनेंगे।
53. अननोन बट वेरी वेल-नोन वारियर बनेंगे।
54. भगवान के वी.वी.वी.आई.पी. लिस्ट में आयेंगे।
55. चिड़िया बन सागर को हप कर लेंगे, गागर में सागर को समा लेंगे।
56. गुप्त रूप में आये हुए बाप से गुप्त रूप में बेहद का वर्सा पायेंगे।
57. परवाने बन शिव शमा पर फिदा हो जायेंगे।
58. मास्टर रत्नागर, मास्टर सौदागर और मास्टर जादूगर बनेंगे।
59. भगवान को बहुरूपी के वेश में भिन्न भिन्न रूप में पार्ट बजाते देखेंगे।
60. तीन पैर पृथ्वी में जमीन, सागर और आसमान पर अपना राज्य स्थापन कर लेंगे।
62. अपने ही तन, मन, धन से भारत को स्वर्ग बनायेंगे।
63. महावीर बन मैं पैन की पूंछ जलाकर बेहद की लंका का विध्वंश करेंगे।
64. भगवान के मुख से भगवानुवाच गीता का डायरेक्ट ज्ञान सुनेंगे।

65. रोज भगवान हमें याद-प्यार देंगे और नमस्ते करेंगे।
66. भगवान सेवाधारी बन हमारे पैर दबायेंगे और मालिश करेंगे।
67. जब भी बुलायें, भगवान हमें 'जी हजूर, जी हाजिर' कहेंगे।
68. जिस माला के दाने फेर रहे थे , एक दिन वही दाने बन जायेंगे।
69. जिसे आज तक मेरा-मेरा समझते थे वो एक सेकण्ड में पराया लगने लगेगा।
70. मधुबन की बगिया के फूल बनेंगे।
71. इन दो आंखों से देखते हुए भी नही देखेंगे, सदा तीसरे नेत्र से ही हर दृश्य को देखेंगे।
72. अलौकिक रीति-रसम से हर त्यौहार मनायेंगे।
73. ये दुनियावी चकाचौंध को छोड़ वनवाह का आनंद लेंगे।
74. स्वदर्शन चक्रधारी, शंखधारी, गदाधारी और कमल आसनधारी बनेंगे।
75. भगवान को आकर्षित करने वाले चुंबक बनेंगे।
76. भगवान की 'हू-इज-हू' लिस्ट में आयेंगे।
77. सांसारिक इच्छाओं, आकांक्षाओं के प्रति इच्छा मात्रम अविद्या बन जायेंगे।
78. भगवान के संग के रंग से खूबसूरत बन जायेंगे।
79. संसार असार दिखने लगेगा।
80. पुराना बैग-बैगेज ट्रांसफर कर लेंगे।
81. ये दुनिया गेस्ट हाउस लगने लगेगी।
82. अंत: वाहक शरीर द्वारा चारों ओर चक्कर लगायेंगे।
83. भगवान का प्रिय योगी तू आत्मा बनेंगे।
84. भगवान पर समर्पित होने का इतिहास रचेंगे।

———☆———☆———